



प्रवासी भारतीय दविस (PBD)

प्रलिस के लयि:

[प्रवासी भारतीय दविस \(PBD\)](#), भारतीय प्रवासयिों का वरगीकरण, महातमा गांधी, श्री अटल बहारी वाजपेयी

मेन्स के लयि:

प्रवासी भारतीय: वकिसति भारत में योगदान, संबंघति चुनौतयिों तथा योजनाएँ, आगे की राह

[सरोत: पी.आई.बी](#)

चरचा में क्यो?

प्रतयेक दो साल में 9 जनवरी को मनाया जाने वाला प्रवासी भारतीय दविस (PBD) एक उल्लेखनीय आयोजन है जसके तहत [भारतीय प्रवासयिों](#) द्वारा अपनी मातृभूमिके लयि दयि गए योगदान पर प्रकाश डाला जाता है।

- 18वें प्रवासी भारतीय दविस सम्मेलन का आयोजन ओडशा द्वारा 8 से 10 जनवरी 2025 तक कयिा गया जसका वषिय 'वकिसति भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' है।

प्रवासी भारतीय दविस (PBD) क्या है?

- पृष्ठभूमि और इतहास:** यह दविविर्षकि उत्सव वर्ष 1915 के उस दनि की याद में मनाया जाता है जब [महातमा गांधी](#) देश के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने के लयि दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे।
- PBDके प्राथमकि लक्ष्य:**
 - भारत के वकिस में प्रवासी भारतीयों के योगदान पर प्रकाश डालना।
 - वदिश में भारत के बारे में बेहतर समझ वकिसति करना।
 - भारत के लक्ष्यों का समर्थन करना तथा वशि्व भर में स्थानीय भारतीय समुदायों के कल्याण की दशिा में कार्य करना।
 - प्रवासी भारतीयों को अपनी पैतृक भूमिकी सरकार एवं लोगों के साथ जुड़ने के लयि एक मंच प्रदान करना।
- PBD सम्मेलन:**
 - प्रवासी भारतीय दविस सम्मेलन की शुरुआत पहली बार वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय [श्री अटल बहारी वाजपेयी](#) की सरकार के तहत प्रवासी भारतीय समुदाय को मान्यता देने एवं उनके साथ जुड़ने हेतु एक मंच के रूप में की गई थी।
- 18वाँ PBD कन्वेंशन, 2025:**
 - इस सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस का उद्घाटन कयिा, जो भारतीय प्रवासयिों के लयि एक वशिष पर्यटक ट्रेन है।
 - प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस का संचालन [वदिश मंत्रालय](#) की प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत कयिा गया।
 - इस अवसर पर गुजरात के मांडवी से ओमान के मस्कट में प्रवास करने वाले लोगों के दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शति करने के क्रम में एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन कयिा गया।
 - प्रधानमंत्री ने गरिमटियिा (स्वतंत्रता-पूरव भारत के गरिमटियिा मजदूर) के महत्व पर प्रकाश डाला, जनिहेंफजिी, मॉरीशस, त्रनिदाद और टोबैगो आदि देशों में भेजा गया था।
 - गरिमटियिाओं का एक व्यापक डाटाबेस बनाने का भी सुझाव दयिा गया।
- प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (PBSA):**
- प्रवासी भारतीय कार्यक्रम के तहत दयिा जाने वाला यह पुरस्कार कसिीअनवासी भारतीय (NRI), भारतीय मूल के व्यक्ती(PIO); अथवा उनके द्वारा स्थापति एवं संचालति कसिी संगठन या संस्था को दयिा जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।
- यह पुरस्कार वदिशों में भारत के बारे में बेहतर समझ पैदा करने, भारत के उद्देश्यों का समर्थन करने तथा स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लयि कार्य करने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को याद करने के लयि दयिा जाता है।

डायस्पोरा क्या है?

- पृष्ठभूमि एवं उत्पत्ति:
 - डायस्पोरा शब्द की जड़ें ग्रीक शब्द $\delta\iota\sigma\pi\omicron\rho\alpha$ से जुड़ी हैं, जिसका अर्थ है प्रसार। भारतीयों के पहले जत्थे को गरिमटिया व्यवस्था के तहत गरिमटिया मजदूरों के रूप में पूर्वी प्रशांत तथा कैरिबियाई द्वीपों में ले जाने के बाद से भारतीय डायस्पोरा में कई गुना वृद्धि हुई है।
- प्रवासी समुदाय का वर्गीकरण:
 - अनवासी भारतीय (NRI): NRI ऐसे भारतीय हैं जो वदेशों के नवासी हैं। किसी व्यक्ति को NRI माना जाता है यदि:
 - कोई व्यक्ति गैर-नवासी है, यदि वह एक वर्ष में 182 दिनों से कम या वगित 4 वर्षों में 365 दिनों से कम तथा चालू वर्ष में 60 दिनों से कम समय के लिये भारत में नवास कर रहा हो।
 - भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO): PIO से तात्पर्य ऐसे वदेशी नागरिक (जो पूर्व में भारतीय पासपोर्ट धारक हो) से है, जिसका या उसके माता-पिता/दादा-दादी का जन्म भारत में हुआ हो या जो किसी भारतीय नागरिक या PIO का जीवनसाथी हो।
 - पाकस्तान, अफगानस्तान, बांग्लादेश, चीन, ईरान, भूटान, श्रीलंका और नेपाल के नागरिक PIO श्रेणी में शामिल नहीं हैं।
 - वर्ष 2015 में PIO श्रेणी को समाप्त कर दिया गया और OCI श्रेणी में वलिय कर दिया गया।
 - प्रवासी भारतीय नागरिक (OCI): वर्ष 2005 में OCI की एक अलग श्रेणी बनाई गई।
 - ऐसे व्यक्तियों के नाबालगि बच्चे (पाकस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को छोड़कर) भी OCI कार्ड के लिये पात्र थे।
 - OCI कार्ड उस वदेशी नागरिक को दिया जाता है, जो 26 जनवरी 1950 को भारतीय नागरिकता के लिये पात्र था या किसी ऐसे क्षेत्र का नवासी था जो 15 अगस्त 1947 के बाद भारत का हिस्सा बना।

प्रवासी भारतीयों का भौगोलिक वितरण

| देश | प्रवासी भारतीय |
|--------------------|----------------|
| USA | 5,409,062 |
| UK | 1,864,318 |
| संयुक्त अरब अमीरात | 3,568,848 |
| दक्षिण अफ्रीका | 1,700,000 |
| सऊदी अरब | 2,463,509 |
| म्यांमार | 2,002,660 |
| मलेशिया | 2,914,127 |
| कुवैत | 995,528 |
| ओमान | 686,635 |
| कनाडा | 2,875,954 |

प्रवासी भारतीय किस प्रकार विकासति भारत में योगदान दे सकते हैं?

- आर्थिक सशक्तीकरण और समावेशी विकास: प्रवासी भारतीय धन प्रेषण और नविश के माध्यम से भारत में आर्थिक विकास को गति देते हैं।
 - भारतीय व्यवसायों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़कर और साझेदारियों को बढ़ावा देकर, वे भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाते हैं, वंचित क्षेत्रों को सशक्त बनाते हैं, और देश के विकासति अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य का समर्थन करते हैं।
 - उदाहरण के लिये: एक अमेरिकी NRI द्वारा आवधिकृत थोरयिम आधारति ईंधन, ANEEL, को स्वच्छ परमाणु ऊर्जा के लिये भारत में लागू किया जाना है।
- वैश्विक व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना: सीमापार साझेदारी, नविश प्रवाह और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाकर, प्रवासी भारत के नरियात आधार का वसितार करने, व्यापार संबंधों में वविधिता लाने और वैश्विक स्तर पर भारत के उत्पादों एवं सेवाओं को बढ़ावा देने में सहायक हैं।
- नवोन्मेषी पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन: उभरते बाजारों में प्रवासी नेतृत्व वाली व्यापार साझेदारी भी आपसी विकास के अवसर प्रदान करती है। साझा संसाधनों और संयुक्त उद्यमों के माध्यम से, ये साझेदारियाँ उच्च विकास वाले वैश्विक बाजारों में भारत के प्रवेश को गति प्रदान कर सकती हैं, जिससे इसके विकास की संभावनाएँ और बढ़ेंगी।
- वैश्विक चुनौतियों से निपटने में प्रवासी समुदाय की भूमिका: ज़मीनी स्तर पर पर्यावरणीय पर्यासों को बढ़ावा देने और समर्थन देने तथा जलवायु कार्रवाई की वकालत करने में प्रवासी समुदाय की सक्रिय भागीदारी, सतत विकास में भारत के वैश्विक नेतृत्व में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।
 - अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का लाभ उठाकर प्रवासी समुदाय वैश्विक नीतियों को आकार देने में सहायक हो सकता है तथा भारत के विकास लक्ष्यों से संबंधति मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षति कर सकता है।
- सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाना: भारतीय प्रवासी (सांस्कृतिक राजदूत के रूप में कार्य करते हैं) अपने मेज़बान देशों में कार्यक्रमों, त्योहारों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारतीय परंपराओं, स्थापत्य और वरिसत को बढ़ावा देकर सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ा सकते हैं।
 - अमेरिका के वभिनिन राज्यों में दवाली पर अवकाश घोषति करना सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक प्रमुख उदाहरण है।

प्रवासी भारतीयों से संबंधति चुनौतियाँ क्या हैं?

- पहचान और एकीकरण: प्रवासी भारतीयों के कई सदस्यों को अपनी सांस्कृतिक पहचान और उन समाजों के साथ एकीकरण के दबाव के बीच

संतुलन बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जनिमें वे रहते हैं। इससे अलगाव की भावना या [सांस्कृतिक वरिासत](#) की हानि हो सकती है।

- [सांस्कृतिक मूल्यों](#) में अंतर के कारण प्रायः संघर्ष उत्पन्न होते हैं, जैसे [कॉर्वा](#) और [जर्मनी](#) जैसे देशों में [बाल हरिसत के मामले](#), जहाँ स्थानीय कानून भारतीय सांस्कृतिक प्रथाओं और पारिवारिक मानदंडों के अनुरूप नहीं होते।
- [राजनीतिकरण और धार्मिक भय: संयुक्त राज्ज अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी देशों में](#) विशेष रूप से [हडिओं और सखिओं](#) को नशाना बनाकर राजनीतिकरण और धार्मिक पूर्वाग्रह के बढ़ते मामले, सामाजिक अलगाव में योगदान करते हैं और सामुदायिक एकीकरण में बाधा डालते हैं।
- [कानूनी और नागरिकता संबंधी मुद्दे: वीजा स्थिति, नागरिकता अधिकार](#) और आवरण कानूनों की जटिलताओं से संबंधित मुद्दे भारतीय प्रवासियों को प्रभावित कर सकते हैं, विशेष रूप से उन देशों में जहाँ प्रतबंधात्मक [आवरण नीतियाँ](#) हैं।
 - [H-1B वीजा](#) को लेकर अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के खिलाफ बढ़ते वरिोध ने, उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के बावजूद, भारतीयों में नाराजगी बढ़ा दी है।
- [धन प्रेषण में चुनौतियाँ: आर्थिक अस्थिरता, वनिमिय दर में उतार-चढ़ाव या बैंकिंग संबंधी समस्याएँ](#) प्रवासी भारतीयों से भारत में आने वाले धन प्रेषण के प्रवाह को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे इस सहायता पर नरिभर रहने वाले परिवारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

प्रवासी भारतीयों के कल्याण से संबंधित सरकारी पहल

- [NRI के लिये राष्ट्रीय पेंशन योजना](#)
- [मतदाताओं के लिये ऑनलाइन सेवाएँ](#)
- [भारत को जानो कार्यक्रम](#)
- [ओवरसीज सटीजनशिप ऑफ इंडिया \(OCI\) कार्ड योजना](#)
- [भारतीय समुदाय कल्याण कोष \(ICWF\)](#)
- प्रवासी भारतीय केंद्र
- प्रवासी भारतीयों का भारत विकास फाउंडेशन (IDF-OI)

आगे की राह

- [कानूनी संरक्षण और अधिकार: यह सुनिश्चित करना](#) कि प्रवासी समुदाय के कानूनी अधिकार उनके मेजबान देशों में सुरक्षित रहें, जिसमें समान अवसरों तक पहुँच, [भेदभाव](#) से सुरक्षा और आवरण कानूनों के तहत नषिपक्ष व्यवहार शामिल है।
- [कांसुलर सहायता को मज़बूत करना:](#) प्रवासी समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिये कानूनी और वनितीय मुद्दों पर सहायता सहित सुलभ और कुशल कांसुलर सेवाएँ प्रदान करना। [नयिमति आउटरीच कार्यक्रम और सलाहकार सेवाएँ](#) मातृभूमि के साथ संबंधों को मज़बूत करने में मदद कर सकती हैं।
- [सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देना:](#) सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शक्ति और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने से प्रवासी और मेजबान समुदायों के बीच संवाद और समझ को बढ़ावा मिलता है।
 - उदाहरण के लिये, ऐसी परस्थितियों में जहाँ [सांस्कृतिक मतभेद प्रायः गलतफहमियों और संघर्षों का कारण](#) बनते हैं, वहाँ ऐसा [वातावरण वकिसति करना आवश्यक है जो स्वीकार्यता को महत्त्व देता हो और वनिधिता का सम्मान करता हो।](#)
- [आर्थिक सहभागिता को समर्थन:](#) कर छूट, [सटार्टअप](#) के लिये वनितीय सहायता और सरलीकृत नविश प्रक्रिया जैसे प्रोत्साहन प्रदान करके भारत में नविश को प्रोत्साहित करना।
 - [धन-प्रेषण स्वीकृति को बेहतर बनाने के लिये, भारत सगिापुर की तरह \[सीमा-पार भुगतान\]\(#\) के लिये \[UPI\]\(#\) जैसी प्रौद्योगिकियों के उपयोग का वसितार कर सकता है।](#)
- [कौशल विकास और ज्ञान हस्तांतरण:](#) ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देना जो प्रवासी समुदाय और भारत के बीच विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और शक्ति के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाते हैं।
 - इससे भारत में कौशल विकास और नवाचार में मदद मिलेगी, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा।

नषिकर्ष

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, [वर्ष 2047 के लिये साझा दृष्टिकोण](#) में नरितर और संरचित प्रवासी भागीदारी शामिल होनी चाहिये। इसमें [वशिषिट लक्ष्यों के साथ दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करना और युवा प्रवासियों को शामिल करना शामिल है](#), जनिंके नवीन वचिर और वैश्विक अनुभव भारत के विकास लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इन संबंधों को मज़बूत करने से एक उज्ज्वल, अधिक जुड़े हुए भविष्य का नरिमाण करने में मदद मिलेगी। सहयोग और साझा उद्देश्य के माध्यम से, हम वर्ष 2047 तक एक जीवंत और समृद्ध भारत को प्राप्त करने के लिये अपने वैश्विक समुदाय की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□

प्रश्न: 'वकिसति भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रवासी भारतीयों की भूमिका का वशि्लेषण कीजिये

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था एवं समाज में प्रवासी भारतीयों को एक महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिानी है। इस संदर्भ में, दक्षिण-

पूर्व एशिया में भारतीय प्रवासियों की भूमिका का मूल्यनरूपण कीजिये। (2017)

प्रश्न. अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों को एक नरिणायक भूमिका नभिानी है। उदाहरणों सहति टपिपणी कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pravasi-bharatiya-divas-pbd>

